अमर उजाला
लखनऊ। शुक्रवार। 6 मई 2016

पिछले साल शुरू हुए दो नए कॉलेजों में खुलेगी पांच नई ब्रांच

सरकारी कॉलेजों में बढ़ेंगी बीटेक की 300 सीटें

शैलेश अरोड़ा

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध शासकीय व अनुदानित कॉलेजों में प्रवेश की चाह रखने वाले छात्रों को इस साल पहले से अधिक सीटों पर प्रवेश का अवसर मिलेगा। आगामी सत्र के लिए जल्द होने वाली एसईई की काउंसलिंग में इस साल 300 नई सीटें शामिल होंगी। ये सीटें कन्नौज और मैनपुरी के इंजीनियरिंग कॉलेजों में खुलने वाली बीटेक की पांच नई ब्रांच की हैं। सोनभद्र इंजीनियरिंग कॉलेज में भी कुछ नई ब्रांच शुरू होने की संभावना है। मालूम हो कि शासन ने बुधवार को ही इन तीनों सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में कार्यवाहक निदेशकों की नियुक्ति की है। आईईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. एमजेड खान को कन्नौज, प्रो. एनबी सिंह को मैनपुरी और प्रो. जेबी श्रीवास्तव को सोनभद्र की जिम्मेदारी दी गई है।

इन पांच ब्रांच में शुरू होगी पढ़ाई : गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के निदेशक प्रो. एमजेड खान ने बताया कि कॉलेज में इस साल से कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की पढ़ाई शुरू होनी है। तीनों ब्रांच में बीटेक की 60-60 सीटें होंगी। गत वर्ष इस कॉलेज में केवल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की 60 सीटों को काउंसलिंग में शामिल किया गया था। वहीं गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज मैनपुरी के निदेशक प्रो. एनबी सिंह ने बताया कि उनके यहां इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 60-60 सीटों पर प्रवेश शुरू होंगे। गत वर्ष इस कॉलेज में केवल सिविल इंजीनियरिंग की 60 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया हुई थी। वहीं संभावना है कि गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में भी आगामी सत्र से कुछ नई ब्रांच से बीटेक करने का अवसर मिल जाए। संस्थान के निदेशक प्रो. जेबी श्रीवास्तव ने कहा कि फिलहाल उनको यह स्पष्ट नहीं है कि कौन सी बीटेक ब्रांच बढ़ सकती है।

तीनों संस्थानों के निदेशकों ने बताया कि कॉलेजों में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। गत वर्ष इनमें प्रवेशित छात्रों की कक्षाएं उनके निकटवर्ती इंजीनियरिंग कॉलेजों में चली है, लेकिन शासन और विवि की मंशा है कि इस वर्ष इन तीनों संस्थानों का भवन निर्माण हो जाए जिससे छात्र अपने परिसर में पढ़ें।

छात्रों की पहली पसंद में भी अधिक अवसर

गत वर्षों में एसईई की काउंसलिंग में अधिकतर छात्रों की पहली पसंद कम्प्यूटर साइंस रही है। तकनीक के बढ़ते प्रयोग ने वर्तमान में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के स्कोप को कई गुना बढ़ाया है। वर्तमान में सूबे के शासकीय व अनुदानित कॉलेजों में कम्प्यूटर साइंस की केवल 300 सीटें उपलब्ध हैं। नए कॉलेजों में ब्रांच खुलने से इनकी संख्या बढ़कर 360 हो जाएगी। इसके अलावा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की सीटें 453 से बढ़कर 513, मैकेनिकल में 345 से बढ़कर 405, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 430 से बढ़कर 490 और इलेक्ट्रॉनिक्स में 225 से बढ़कर 285 हो जाएगी। एकेटीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध सूची के अनुसार सूबे के 13 शासकीय व अनुदानित कॉलेजों में गत वर्ष की काउंसलिंग के दौरान बीटेक की विभिन्न ब्रांच में मिलाकर लगभग 2738 सीटें थीं। 300 नई सीटें आने से इनकी संख्या बढ़कर करीब 3038 हो जाएगी।

एकेटीयू शुरू करेगा एफडीपी प्रोग्राम

गाजियाबाद (ब्यूरो)। 'ह्यूमन वैल्यूज एंड प्रोफेशनल एथिक्स' विषय पर एकेटीयू दो कॉलेजों में फैकेलटी डवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) चलाएगा। दोनों कॉलेजों में प्रदेश भर के सभी टेक्निकल कॉलेजों के टीचर्स जो इस विषय को पढ़ाते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से प्रोग्राम में सम्मिलित होना पड़ेगा। स्टूडेंट्स के अंदर ह्यूमन वैल्यूज बढ़ाने के लिए एकेटीयू ने बीटेक कोर्स में यह सब्जेक्ट जोड़ा हुआ है। सब्जेक्ट के जरिए स्टूडेंट्स के अंदर समाज और राष्ट्र निर्माण करने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह सब्जेक्ट पढ़ाने वाले टीचरों को अपडेट करने के लिए एकेटीयू एफडीपी शुरू करेगा। यह प्रोग्राम दो भागों में होगा। पहला प्रोग्राम आरवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बिजनौर में 20 से 27 मई के बीच होगा जबकि दूसरा प्रोग्राम हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मथुरा में कराया जाएगा। यह प्रोग्राम 24 से 31 मई के बीच होगा। टीचर्स को एफडीपी में शामिल होने से पहले रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सभी कॉलेज ह्यूमन वैल्यूज सब्जेक्ट पढ़ा रहे टीचरों को अनिवार्य रूप से भेजेंगे।

प्रदेश भर के कॉलेजों के टीचर दो सेंटरों पर लेंगे ट्रेनिंग